



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष ११, अंक ८]

गुरुवार ते बुधवार, फेब्रुवारी २०-२६, २०२५/फाल्गुन १-७, शके १९४६

[पृष्ठ ९, किंमत : रुपये ३०.००

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी प्रत्येक विभागाच्या पुरवणीला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

भाग एक-नागपूर विभागीय पुरवणी

अनुक्रमणिका

| | पृष्ठे | | पृष्ठे |
|---|--------|---|--------|
| भाग एक-शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, पदोन्नती, अनुपस्थितीची रजा (भाग एक-अ, चार-अ, चार-ब व चार-क, यामध्ये प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत त्यांव्यतिरिक्त) केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश. | नाही. | भाग एक-अ.-(भाग चार-ब यामध्ये प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत त्यांव्यतिरिक्त) केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले महाराष्ट्र जिल्हा परिषदा व पंचायत समित्या, ग्रामपंचायती, नगरपालिका बरो, जिल्हा नगरपालिका, प्राथमिक शिक्षण व स्थानिक निधी लेखापरीक्षा अधिनियम याअन्वये काढण्यात आलेले आदेश व अधिसूचना. | १-४९ |
| संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका इ. इ., केवळ नागपूर विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश. | १-९ | | |

शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

नाही.

संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. २९१.

विभागीय आयुक्त, यांजकडून

महाराष्ट्र प्रकल्पबाधित व्यक्तींचे पुनर्वसन अधिनियम, १९९९

अधिसूचना

क्रमांक-अका-पुनर्वसन-कलम-११(१)-कावि-१८-२०२५.-

ज्याअर्थी महाराष्ट्र प्रकल्प बाधित व्यक्तींचे पुनर्वसन अधिनियम, १९९९ (२००१ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक- ११) च्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) अन्वये याद्वारे अधिसूचित करण्यांत येत आहे की, वर्धा जिल्ह्याच्या हिंणघाट तालुक्यातील आजनसरा बॅरेज प्रकल्पास उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ पोट कलम (१) च्या तरतुदीच्या अनुषंगाने अधिनियमाच्या तरतुदी लागू होतील त्या प्रकल्पाचे संबधाने याद्वारे :-

(अ) उक्त प्रकल्पाच्या बाधित किंवा लाभकारी परिमंडळामध्ये येण्याचा संभव असलेली गावे किंवा क्षेत्र खालीलप्रमाणे विनिर्दिष्ट करित आहे.—

(एक) बाधित परिमंडळात येण्याचा संभव असलेली गावे - (वर्धा जिल्हा)

| अ. क्र. | गावाचे नाव | तालुका | जिल्हा | प्रकल्पाची बाधा पोहचण्यास संभव असलेले क्षेत्र | | | |
|----------|----------------|----------|--------|---|----------------|----------------|----------------|
| | | | | सरकारी जमीन | खाजगी जमीन | वन जमीन | एकूण क्षेत्र |
| | | | | (५) हे. आर. | (६) हे. आर. | (७) हे. आर. | (८) हे. आर. |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| १ | आजनसरा | हिंगणघाट | वर्धा | २५.५० | ४२.८४ | १०.३४ | ७८.६८ |
| २ | सावंगी (रिठी) | हिंगणघाट | वर्धा | ४९.७३ | ५७.६७ | ८.२८ | ११५.६८ |
| ३ | निधा | हिंगणघाट | वर्धा | १०.१४ | ४३.७३ | ०.३१ | ५४.१८ |
| ४ | टाकळी | हिंगणघाट | वर्धा | १५.०६ | ६५.७२ | ३.५८ | ८४.३६ |
| ५ | सिरजगाव | हिंगणघाट | वर्धा | ४.६९ | २.७६ | ०.०० | ७.४५ |
| ६ | सोनेगांव राऊत | हिंगणघाट | वर्धा | ३.८७ | ७.५४ | ०.९० | १२.३१ |
| ७ | भगवा | हिंगणघाट | वर्धा | ९.९४ | ०.२० | ०.०० | १०.१४ |
| ८ | मनसावळी | हिंगणघाट | वर्धा | १२.०४ | ६.२० | ०.९४ | १९.१८ |
| ९ | कान्होली | हिंगणघाट | वर्धा | ४७.३१ | ३६.६० | ४.२९ | ८८.२० |
| १० | कात्री | हिंगणघाट | वर्धा | ३१.४७ | ५.२४ | ०.१८ | ३६.८९ |
| ११ | कापसी | हिंगणघाट | वर्धा | २२.७६ | २.९५ | ०.६८ | २६.३९ |
| १२ | चाणकी | हिंगणघाट | वर्धा | ९.३२ | १.०५ | ०.०० | १०.३७ |
| १३ | कोसुर्ला खुर्द | हिंगणघाट | वर्धा | ४.३० | ०.०० | १.२१ | ५.५१ |
| १४ | कोसुर्ला मो. | हिंगणघाट | वर्धा | ०.०० | ०.०० | ०.८५ | ०.८५ |
| १५ | पवणी | हिंगणघाट | वर्धा | ०.४४ | ०.०० | ०.०० | ०.४४ |
| १६ | अलामडोह | हिंगणघाट | वर्धा | ३.५३ | ०.०० | ०.०० | ३.५३ |
| एकूण . . | | | | २५०.१० | २७२.५० | ३१.५६ | ५५४.१६ |

(एक) बाधित परिमंडळात येण्याचा संभव असलेली गावे - (यवतमाळ जिल्हा)

| अ. क्र. | गावाचे नाव | तालुका | जिल्हा | प्रकल्पाची बाधा पोहचण्यास संभव असलेले क्षेत्र | | | |
|----------|--------------|----------|--------|---|----------------|----------------|----------------|
| | | | | सरकारी जमीन | खाजगी जमीन | वन जमीन | एकूण क्षेत्र |
| | | | | (५) हे. आर. | (६) हे. आर. | (७) हे. आर. | (८) हे. आर. |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| १ | दापोरी कासार | राळेगांव | यवतमाळ | ३३.३२ | २९.०४ | ०.०० | ६२.३६ |
| २ | जागजई | राळेगांव | यवतमाळ | ३८.७८ | ३४.५७ | ०.०० | ७३.३५ |
| ३ | धर्मापूर | राळेगाव | यवतमाळ | ६६.०९ | १४.७३ | ०.०० | ८०.८२ |
| ४ | रामतिर्थ | राळेगाव | यवतमाळ | १९.७७ | ०.०० | ०.०० | १९.७७ |
| एकूण . . | | | | १५७.९६ | ७८.३४ | ०.०० | २३६.३० |

-(दोन) लाभ परिमंडळात येण्याचा संभव असलेली गावे - (वर्धा जिल्हा)

| प्रकल्पाची बाधा पोहचण्यास संभव असलेले क्षेत्र | | | | |
|---|-------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------------|
| अ. क्र. (१) | गावाचे नाव (२) | तालुक्याचे नाव (३) | जिल्ह्याचे नाव (४) | क्षेत्रफळ (५) हे. आर. |
| १ | आजनसरा | हिंगणघाट | वर्धा | ३५७.६९ |
| २ | सोनेगांव (राउत) | हिंगणघाट | वर्धा | ४५०.५९ |
| ३ | सावंगी (रिठ) | हिंगणघाट | वर्धा | २२८.१६ |
| ४ | टाकळी | हिंगणघाट | वर्धा | ३४४.७८ |
| ५ | निधा | हिंगणघाट | वर्धा | ४२४.०१ |
| ६ | मानकापूर | हिंगणघाट | वर्धा | ७९९.८१ |
| ७ | फुकटा | हिंगणघाट | वर्धा | ५३७.१८ |
| ८ | वडनेर | हिंगणघाट | वर्धा | १७४०.९६ |
| ९ | परसोडा (रिठ) | हिंगणघाट | वर्धा | ९४.८५ |
| १० | घोगापुर (रिठ) | हिंगणघाट | वर्धा | २१८.६३ |
| ११ | भिवापूर | हिंगणघाट | वर्धा | ५५०.६९ |
| १२ | गांगापूर | हिंगणघाट | वर्धा | ३३५.३१ |
| १३ | हिवरा (जगताप) | हिंगणघाट | वर्धा | ६१३.३३ |
| १४ | बोपापुर | हिंगणघाट | वर्धा | ७१५.१३ |
| १५ | पिपरी | हिंगणघाट | वर्धा | १२२७.४९ |
| १६ | पोहणा | हिंगणघाट | वर्धा | १५५५.३० |
| १७ | कुरण | हिंगणघाट | वर्धा | २०३.०४ |
| १८ | जांगोणा | हिंगणघाट | वर्धा | ४८०.५६ |
| १९ | वेणी | हिंगणघाट | वर्धा | ५०३.६७ |
| २० | सास्ती | हिंगणघाट | वर्धा | ४७३.९१ |
| २१ | हडस्ती | हिंगणघाट | वर्धा | ३१०.७१ |
| २२ | धोची | हिंगणघाट | वर्धा | ५१०.१८ |
| २३ | येरला | हिंगणघाट | वर्धा | ५९४.०० |
| २४ | डोरला | हिंगणघाट | वर्धा | १९३.७० |
| २५ | सावंगी संगम | हिंगणघाट | वर्धा | १३१.१९ |
| २६ | ढिवरी पिपरी | हिंगणघाट | वर्धा | ३०८.६८ |
| २७ | कोल्ही | हिंगणघाट | वर्धा | ४२३.९० |
| २८ | अंतापूर | हिंगणघाट | वर्धा | ५८.९८ |
| २९ | सिंदोला (रिठ) | हिंगणघाट | वर्धा | १४६.३९ |
| ३० | खेकडी | हिंगणघाट | वर्धा | २०४.०८ |
| ३१ | नांद्रा | हिंगणघाट | वर्धा | ८०.६१ |
| ३२ | धानोरा | हिंगणघाट | वर्धा | ३९८.२६ |
| ३३ | सेलु | हिंगणघाट | वर्धा | ५४७.६८ |
| ३४ | परसोडा - १ | हिंगणघाट | वर्धा | ३३६.९६ |
| ३५ | बोरी | हिंगणघाट | वर्धा | ७६.९५ |
| ३६ | शेकापूर (बाई) | हिंगणघाट | वर्धा | ३९२.९४ |
| ३७ | येळी (रिठ) | हिंगणघाट | वर्धा | २०२.११ |
| ३८ | सुकळी | हिंगणघाट | वर्धा | ३५७.४४ |
| ३९ | खापरी | हिंगणघाट | वर्धा | ५६०.०९ |
| ४० | दोंदूडा | हिंगणघाट | वर्धा | ६४८.१९ |

अनुक्रमणिका—चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) हे. आर. |
|-----|------------------|----------|-------|----------------|
| ४१ | बाबंडा | हिंगणघाट | वर्धा | ४७३.२४ |
| ४२ | कासापूर | हिंगणघाट | वर्धा | १२८.५८ |
| ४३ | टेंभा | हिंगणघाट | वर्धा | ७९९.२३ |
| ४४ | सिंदबहार | हिंगणघाट | वर्धा | २५२.७४ |
| ४५ | दारोडा | हिंगणघाट | वर्धा | १७७६.७४ |
| ४६ | तिवसडी | हिंगणघाट | वर्धा | ६३७.४५ |
| ४७ | येरणगांव | हिंगणघाट | वर्धा | ४३३.२६ |
| ४८ | सिरसगांव | हिंगणघाट | वर्धा | ९५६.९९ |
| ४९ | भगवा | हिंगणघाट | वर्धा | ३१४.१३ |
| ५० | सोनेगांव (खुनकर) | हिंगणघाट | वर्धा | ३१९.२० |
| ५१ | काचनगांव | हिंगणघाट | वर्धा | ८६४.९८ |
| ५२ | आर्वी (छोटी) | हिंगणघाट | वर्धा | १२८१.९१ |
| ५३ | घाटसावली | हिंगणघाट | वर्धा | ६०९.२७ |
| ५४ | कुटकी | हिंगणघाट | वर्धा | २३०.७० |
| ५५ | येताळा (रिठी) | हिंगणघाट | वर्धा | १३९.९९ |
| ५६ | बोंदुर्णी | हिंगणघाट | वर्धा | १३७.५० |
| ५७ | आजनगांव (रिठी) | हिंगणघाट | वर्धा | २०३.७२ |
| ५८ | आजनगांव | हिंगणघाट | वर्धा | ३८९.१८ |
| ५९ | गौळ | हिंगणघाट | वर्धा | १८६.७१ |
| ६० | गाडेगाव (रिठी) | हिंगणघाट | वर्धा | २५२.१२ |
| ६१ | पवनी | हिंगणघाट | वर्धा | ८९४.५९ |
| ६२ | अल्लीपुर | हिंगणघाट | वर्धा | ३८३.७४ |

एकूण . . ३०००४.००

(दोन) लाभ परिमंडळात येण्याचा संभव असलेली गावे :- यवतमाळ जिल्हा

| अ. क्र. | गावाचे नाव | तालुक्याचे नाव | जिल्ह्याचे नाव | क्षेत्रफळ |
|---------|------------|----------------|----------------|----------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) हे. आर. |

—निरंक—

वरील परिच्छेदात (अ) मधील (एक) आणि (दोन) मध्ये नमूद केलेल्या गावांतील एखाद्या व्यक्तीच्या संपूर्ण धारण क्षेत्राचा किंवा त्याच्या भागास लागू असल्याप्रमाणे उक्त अधिनियमाच्या कलम १२ मध्ये विनिर्दिष्ट केलेले निर्बंध अशा गावातील किंवा क्षेत्रातील धारण क्षेत्राला तात्पुरते लागू होतील, मात्र संबंधित परिमंडळातील त्याच्या एकूण धारण जमीनीचे क्षेत्र ३.२३ हे. आर. पेक्षा कमी असता कामा नये.

महाराष्ट्र शासन असेही निर्देश देत आहे की, ही अधिसूचना संबंधित गावामध्ये दवंडी देवून आणि बाधित किंवा लाभ मिळणाऱ्या परिमंडळातील एखाद्या किंवा अनेक ठळक जागी आणि गावाच्या चावडीवर आणि कोणतेही असल्यास पंचायतीच्या कार्यालयात आणि तहसीलदार व जिल्हाधिकारी यांच्या कार्यालयात देखील ठळक जागेवर किंवा जागांवर या अधिसूचनेची प्रत चिकटवून जिल्हाधिकारी यांचेकडून प्रसिध्द करण्यात येईल किंवा प्रसिध्द करण्याची व्यवस्था करण्यात येईल.

(डॉ. माधवी खोडे-चवरे, भाप्रसे),
विभागीय आयुक्त, नागपूर विभाग,
नागपूर.

नागपूर :
दिनांक १० फेब्रुवारी, २०२५.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. २९२.

जिल्हाधिकारी, यांजकडून

कन्हान नदी प्रकल्प (कोच्छी बॅरेज) कलम १९(१) अधिसूचनेस एक (१) वर्षाकरीता मुदतवाढ मिळण्याबाबत

क्रमांक-मं.अ.-उप (भू.क्र.१)-विपाविम-कावि-६-२०२५.-

विषयांकित प्रकरणी मौजा- खैरी ढालगाव, तालुका सावनेर, जिल्हा नागपूर प्रकरण क्र. ९-अ-६५-२०२१-२०२२ मध्ये कलम १९(१) ची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्रामध्ये दिनांक १८, नोव्हेंबर २०२३ रोजी प्रसिध्द करण्यात आलेली होती. परंतु प्रकरणामध्ये आवश्यक असलेले संपादित मालमत्तेचे (बांधकामाचे) मूल्यांकन अहवाल (इस्टीमेट प्रती), संपादनामध्ये येणाऱ्या फळझाडांचे मूल्यांकन अहवाल, कलम २१ (१) (४) अन्वये प्राप्त आक्षेप अर्जावर संपादन संस्था यांचेकडून अर्जामध्ये नमूद बाबींवर मुद्देनिहाय अभिप्राय अप्राप्त व विहीर बोरवेल व गोबरगॅस मूल्यांकन अहवाल इत्यादी माहिती कार्यकारी अभियंता, पाटबंधारे प्रकल्प विभाग, नागपूर यांचे कार्यालयाकडून विहीत वेळेच्या आत प्राप्त झालेले नाही. त्यामुळे कलम १९(१) ची अधिसूचना व्यपगत होण्याची शक्यता नाकारता येत नसल्यामुळे कार्यकारी अभियंता, पाटबंधारे प्रकल्प विभाग, नागपूर यांना अवगत करण्यात आले होते.

त्या अनुषंगाने कार्यकारी अभियंता, पाटबंधारे प्रकल्प विभाग, नागपूर यांचे विनंतीवरून प्रस्तुत भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ९-अ-६५-२०२१-२०२२, मौजा- खैरी ढालगाव (गावठाण), ता. सावनेर, जि. नागपूर मध्ये कलम १९(१) च्या अधिसूचनेस महाराष्ट्र शासन राजपत्र, दिनांक ११ सप्टेंबर, २०१५ अन्वये मी, डॉ. विपीन इटनकर, जिल्हाधिकारी, नागपूर (समूचित शासन) म्हणून दिनांक १७ नोव्हेंबर, २०२४ च्या पुढे एक (१) वर्षाकरीता मुदतवाढ दिलेली आहे.

नागपूर :
दिनांक - ११ ऑक्टोबर, २०२४.

(डॉ. विपीन),
जिल्हाधिकारी, नागपूर.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. २९३.

भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ अंतर्गत कलम १९ (१) खालील अधिसूचना

क्रमांक म.स.-प्रस्तु-३-भूसंपादन-कावि-२२०-२०२५.-

ज्याअर्थी, समूचित शासन असलेल्या भंडारा जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकाऱ्याने भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त अधिनियम” असा केला आहे.) यांच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून अधिसूचना क्रमांक ५८१, दिनांक ११ जून, २०२४ अन्वये प्रारंभिक अधिसूचना काढण्यात आलेली आहे. आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेल्या जमिनीची, अनुसूची-दोनमध्ये अधिक तपशीलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे,

आणि ज्याअर्थी, भंडारा जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकाऱ्याने, कलम १५ च्या पोट-कलम (२) अन्वये दिलेला अहवाल कोणताही असल्यास, विचारात घेतल्यानंतर उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमीन संपादित करण्याची आवश्यकता आहे याबाबत त्याची खात्री पटलेली आहे ;

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाच्या कलम १९ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये, उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमिनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, अनुसूची-तीनमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेले क्षेत्र हे बाधित कुटूंबीयांच्या पुनर्वसन व पुनर्वसाहतीच्या प्रयोजनासाठी “पुनर्वसाहत क्षेत्र ” म्हणून निर्धारित केले असल्याचे याद्वारे घोषित केले असून, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश अनुसूची-चारमध्ये विनिर्दिष्ट केला आहे;

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समूचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी उक्त अधिनियमान्वये जिल्हाधिकाऱ्याची कार्ये पार पाडण्यासाठी अश्विनी मांजे, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, साकोली यांना पदनिर्देशित करित आहे.

अनुसूची-एक

संपादीत करावयाच्या जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ०३-एलक्युएन-२०२३-२४, गावाचे नाव-वडद, तालुका साकोली, जिल्हा भंडारा.

| अ. क्र. | भूमापन क्रमांक | संयुक्त मोजणी मा. क्र. १८/२०२३ नुसार एकूण क्षेत्र | प्र. क्र. ०२/एलक्युएन/ २०१५-१६ नुसार संपादीत क्षेत्र | प्र. क्र. ६० एलक्युएन/२०१८- १९ नुसार संपादित क्षेत्र | अनुसूची १ नुसार आता संपादना खालील क्षेत्र | शेरा |
|---------|-------------------|---|---|---|---|---------------------------------|
| (१) | (२) | (३) हे. आर | (४) हे. आर | (५) हे. आर | (६) हे. आर | (७) |
| १ | ४४८ | — | — | — | ० १४ | |
| २ | ४५८ | — | — | — | ० ०६ | |
| ३ | ४५९ | — | — | — | ० ०६ | |
| ४ | ४६१ | — | — | — | ० ०६ | |
| ५ | ४६३ | — | — | — | ० ०२ | |
| ६ | ४६८ | — | — | — | ० ०८ | |
| ७ | ४६९ | — | — | — | ० ०५ | |
| ८ | ४७० | — | — | — | ० ०७ | |
| ९ | ४७१ | — | — | — | ० ०५ | |
| १० | ४७२ | — | — | — | ० ०५ | |
| ११ | ५५३ | — | — | — | ० २५ | |
| १२ | ५२५ | — | — | — | ० ०१ | |
| १३ | ५२४ | — | — | — | ० ०४ | |
| १४ | ५५९ | — | — | — | ० ०६ | |
| १५ | ६६० | — | — | — | ० ४० | |
| १६ | ६०४ | — | — | — | ० १७ | |
| १७ | ८१२ | — | — | — | ० १६ | |
| १८ | ८१३ | — | — | — | ० ०७ | |
| १९ | ८१४ | — | — | — | ० १८ | |
| २० | ८१५ | — | — | — | ० १३ | |
| २१ | ८१६ | — | — | — | ० ११ | |
| २२ | ८१७ | — | — | — | ० २२ | |
| २३ | ७२३ | — | — | — | ० १० | |
| २४ | ७३७ | — | — | — | ० ०२ | |
| २५ | ७४३ | — | — | — | ० १२ | |
| २६ | १२६२ | — | — | — | ० ०७ | |
| २७ | १२६४ | — | — | — | ० ०७ | |
| २८ | १२६५ | — | — | — | ० ०७ | |
| २९ | ६३९ | — | — | — | ० २० | |
| ३० | ६०५ | ० १८ | ० ०५ | — | ० १३ | कार्यकारी अभियंता, मध्यम |
| ३१ | ५८० | — | — | — | ० ०६ | प्रकल्प विभाग, गोंदिया यांचे |
| ३२ | २०११ | ० ३५ | ० २७ | — | ० ०८ | पत्र क्र. जा.क्र.१४९-चि.शा.- |
| ३३ | ५२२ | ० २४ | ० १० | — | ० १४ | भूसंपादन-निम्न चुलबंद, दिनांक |
| ३४ | ५२६ | ० ३७ | ० १६ | — | ० २१ | ०९ मे, २०२४ चे प्रमाणपत्रानुसार |

अनुसूची-एक—चालू

| (१) | (२) | (३) हे. आर | (४) हे. आर | (५) हे. आर | (६) हे. आर | (७) |
|-----|------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------------------------|
| ३५ | ४७८ | ० ७४ | ० २३ | — | ० ५१ | व प्रकरणात संलग्न असलेले |
| ३६ | ४७७ | — | — | — | ० ०६ | संयुक्त मोजणी अहवाल, छाननी |
| ३७ | १२६० | — | — | — | ० ०३ | अहवाल व अनुसूची-एकमध्ये |
| ३८ | ९२५ | ० ३५ | ० १७ | — | ० १८ | प्रस्तावित केल्याप्रमाणे क्षेत्र |
| ३९ | ७४५ | ० ४१ | ० १९ | — | ० २२ | संपादित करण्याकरीता कलम |
| ४० | २०३५ | — | — | — | ० ०७ | १९ (१) ची अधिसूचना शिफारस |
| ४१ | ७२६ | ० ४६ | ० १८ | — | ० २८ | करण्यात येत आहे. |
| ४२ | ७२७ | — | — | — | ० १७ | |
| ४३ | ७२० | १ १० | ० ०६ | ० ७८ | ० २६ | |
| ४४ | ५५८ | ० १६ | ० १३ | — | ० ०३ | |
| ४५ | ५५७ | ० ४९ | ० ३० | — | ० १९ | |
| ४६ | ४५५ | — | — | — | ० ११ | |
| | | एकूण गट . . | ४६ | | ५ ८२ | |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

| | |
|---------------------|--|
| प्रकल्पाचे नाव | :- निम्न चुलबंद प्रकल्प. |
| प्रकल्पाचे वर्णन | :- निम्न चुलबंद प्रकल्पाच्या बुडीत क्षेत्राकरीता लागणाऱ्या खाजगी जमिनीचे मौजा वडद येथील संपादनाकरीता. |
| समाजाला मिळणारे लाभ | :- निम्न चुलबंद प्रकल्पाच्या बुडीत क्षेत्राकरीता तसेच सार्वजनिक पाणी पुरवठा, व उद्योगधंदे यामध्ये वाढ होणार आहे. |

अनुसूची-तीन

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे

- सदर भूसंपादित जमिनीमुळे बाधीत व्यक्ती विस्थापित होत नसल्यामुळे विस्थापन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-चार

पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश

— निरंक —

टीप.—उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे अभिलेख उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, साकोली यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

भंडारा :
दिनांक ०६ फेब्रुवारी, २०२५.

डॉ. संजय कोलते,
जिल्हाधिकारी,
भंडारा.

भाग १ (ना. वि. पु.) म. शा. रा., अ. क्र. २९४.

**भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ अन्वये
कलम ११ (१) खालील प्रारंभिक अधिसूचना**

क्रमांक म.स.-प्रस्तु-३-भूसंपादन-कावि-१९०-२०२५.—

ज्याअर्थी, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) च्या कलम ३ च्या (ई) परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली अधिसूचना महसूल व वन विभाग क्र. संकीर्ण-११-२०१४ प्र.क्र.७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यांत यापुढे जिचा निर्देश “उक्त अधिसूचना” असा करण्यात आला आहे.) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड-अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा जास्त नसेल इतक्या क्षेत्राकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समूचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल;

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समूचित शासन असलेल्या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकाऱ्यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-एकमध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “उक्त जमीन” असा करण्यात आला आहे.) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त सार्वजनिक प्रयोजन” असा केला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे. असे वाटते, ज्याचा स्वरूपाचे वर्णन यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-दोनमध्ये दिलेले आहे;

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाचे कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यात भाग पाडणारी कारणे, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीनमध्ये दिलेली आहे. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावीत.);

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश: यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-चारमध्ये दिलेला आहे;

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाचमध्ये दिलेला आहे. (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा.);

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (४) अनुसार कोणतीही व्यक्ती ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण ४ खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही ;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिकाऱ्यास विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देता येईल.

परंतु आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने, या तरतुदीचे बुद्धीपुरस्सपर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिकाऱ्याकडून भरपाई दिली जाणार नाही.

तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार जिल्हाधिकारी, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त नियम” असा करण्यात आला आहे.) याच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्याप्रमाणे भूमिअभिलेखाच्या अद्यावती करण्याचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये समूचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिकाऱ्याची कार्य पार पाडण्याची अश्विनी मांजे, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, साकोली यांना पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची-एक

जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक १७-एलक्युएन-२०२४-२५, मौजा तई (बुज), ता. लाखांदुर, जि. भंडारा.

| अ. क्र. (१) | भूमापन क्रमांक (२) | संपादनाखालील क्षेत्र (३) |
|----------------|-----------------------|-----------------------------|
| | | हे. आर |
| १ | ३९१ | ० ००५ |
| २ | ३९० | ० ०६ |

| अनुसूची-एक—चालू | | |
|-----------------|-----|--------|
| (१) | (२) | (३) |
| | | हे. आर |
| ३ | ३८९ | ० १२ |
| ४ | ३८८ | ० ०६ |
| | — | — |
| एकूण . . | ४ | ० २४५ |
| | — | — |

अनुसूची-दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

| | |
|------------------------|--|
| प्रकल्पाचे नाव | : गोसीखुर्द प्रकल्प. |
| प्रकल्प कार्याचे वर्णन | : गोसीखुर्द डावा कालव्याच्या निर्गमित शाखा कालवा क्र. १ वरील हरदोली वितरीकेच्या सा.क्र. ७५०० मीटर वरुन निर्गमित एल-२ लघु कालवा. |
| समाजाला मिळणारे लाभ | : गोसीखुर्द डावा कालव्याच्या निर्गमित शाखा कालवा क्र. १ वरील हरदोली वितरीकेच्या सा.क्र. ७५०० मीटर वरुन निर्गमित एल-२ लघु कालवा या कालव्याने शेतीला ओलीत होऊन शेतजमीन सिंचनाखाली येणार आहे. तसेच सार्वजनिक पाणीपुरवठा व उद्योगधंदे यामध्ये वाढ होणार आहे. |

अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे

सदर भूसंपादित जमिनीमुळे बाधित व्यक्ती विस्थापित होत नसल्यामुळे विस्थापन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-चार

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा सारांश

भूमि संपादन पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ मधील सहा चे पोट-कलम (२) मध्ये दिलेल्या निर्देशानुसार तसेच पर्यावरण विभागाची मान्यता आदेश क्र. No.-11016(7)/84-EN.5/1A, दिनांक ०३ फेब्रुवारी, १९८८ अन्वये बुडीत क्षेत्र तसेच लाभक्षेत्रातील कामे (उपसा सिंचन, जलसिंचन सुविधा निर्माण करण्यासाठी कालवे, वितरीका इत्यादी) सामाजिक परिणाम निर्धारणातून सूट देण्यात आली असल्याचे कळविले आहे.

अनुसूची-पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

| | |
|--|-----------------------------------|
| अ. प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांचे नांव, पदनाम :- | प्रशासक नियुक्तीची आवश्यकता नाही. |
| ब. प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता :- | -निरंक- |
| क. ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे, त्या अधिसूचनेचा तपशील :- | -निरंक- |

टीप :- उक्त जमिनीच्या आराखड्याचे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, साकोली यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

भंडारा :
दिनांक २९ जानेवारी, २०२५.

डॉ. संजय कोलते,
जिल्हाधिकारी,
भंडारा.